



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

भारत-यूके सीईटीए के आज लागू होने से भारतीय हस्तशिल्प के लिए खुला नया यूके शून्य शुल्क द्वार

ऐतिहासिक समझौता यूके बाजार में भारतीय हस्तनिर्मित, सतत और डिजाइन-आधारित उत्पादों को देगा
बढ़ावा

नई दिल्ली, 15 जुलाई 2026: हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् (ईपीसीएच) ने भारत-यूनाइटेड किंगडम व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के लागू होने का स्वागत करते हुए इसे एक ऐतिहासिक विकास बताया, जो विश्व के सबसे परिपक्व और उच्च-मूल्य उपभोक्ता बाजारों में से एक में भारतीय हस्तशिल्प के लिए एक नया अध्याय खोलेगा। यह समझौता यूनाइटेड किंगडम को भारत के लगभग 99% निर्यात पर शून्य-शुल्क पहुंच प्रदान करता है, जिसमें लगभग संपूर्ण व्यापार मूल्य शामिल है। भारतीय हस्तशिल्प के लिए यह शुल्क बाधाओं को हटाकर और यूके के खरीदारों, आयातकों, खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, डिजाइनरों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों तक पहुंच को बेहतर बनाकर एक बड़ा प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करने की उम्मीद है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर बोलते हुए, **डॉ. नीरज खन्ना, अध्यक्ष, ईपीसीएच** ने कहा, “भारत-यूके सीईटीए का आज लागू होना भारत के हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए एक परिवर्तनकारी उपलब्धि है। यह समझौता भारतीय हस्तशिल्प निर्यातकों को एक उच्च-मूल्य और गुणवत्ता-सचेत बाजार में शून्य-शुल्क पहुंच प्रदान करता है, जिससे वे अन्य आपूर्तिकर्ता देशों के साथ अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। इससे यूके बाजार में होम, लाइफस्टाइल, फैशन एक्सेसरीज़, फर्निशिंग, फर्नीचर और अन्य शिल्प-आधारित उत्पाद श्रेणियों में भारत की उपस्थिति मजबूत होगी।

डॉ. खन्ना ने आगे कहा, “आज का दिन भारत-यूके व्यापार संबंधों में एक ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक है। भारत-यूके सीईटीए के लागू होने से यूके बाजार में बाजार पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार के माध्यम से भारत के हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए नए अवसर खुलेंगे। समझौते के पहले ही दिन पहली कन्साइनमेंट का प्रेषण हमारे निर्यातकों की तैयारी और विश्वास को दर्शाता है। इन कन्साइनमेंट में मेटल प्लांटर्स, लकड़ी की ट्रे, लकड़ी के बाउल, मेटल जग, सजावटी लकड़ी के उत्पाद तथा अन्य होम डेकोर और लाइफस्टाइल उत्पाद शामिल हैं। हमें विश्वास है कि यह ऐतिहासिक समझौता आने वाले वर्षों में यूके को हस्तशिल्प निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा।”

इस अवसर पर बोलते हुए, **ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार** ने कहा, “सीईटीए केवल एक व्यापार समझौता ही नहीं, बल्कि एक बाजार पहुंच मंच भी है, जो भारत-यूके हस्तशिल्प व्यापार गलियारे को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत कर सकता है। शुल्क हटने और बाजार पहुंच अधिक अनुकूल होने के साथ भारतीय निर्यातकों के पास अब डिजाइन नवाचार, विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाओं, वेयरहाउसिंग, फुलफिलमेंट और डिजिटल कॉमर्स के संयोजन के माध्यम से यूके में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का अवसर है।”

यूके में भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों के लिए उभरती बाजार पहुंच और अवसरचना उन्नयन का उल्लेख करते हुए, **डॉ. कुमार** ने आगे कहा, “ईपीसीएच-एक्सपोबाजार ने वेब्ट्रा यूके लिमिटेड के साथ रणनीतिक सहयोग के माध्यम से यूके में भी अपने संचालन की शुरुआत की है।

यह विस्तार यूनाइटेड स्टेट्स और यूरोप के बाद यूके को इसका तीसरा विदेशी बाजार बनाता है। अपने यूके संचालन को समर्थन देने के लिए, एक्सपोबाजार ने देश में एक पूर्ण रूप से परिचालित थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स वेयरहाउस स्थापित किया है, जिससे जस्ट-इन-टाइम फुलफिलमेंट मॉडल सक्षम होगा। इससे यूके के खुदरा विक्रेता और थोक विक्रेता कम डिलीवरी समय, बेहतर इन्वेंट्री योजना और अधिक आपूर्ति श्रृंखला विश्वसनीयता के साथ तैयार-से-भेजे जाने वाले भारतीय हस्तशिल्प और लाइफस्टाइल उत्पादों तक पहुंच प्राप्त कर सकेंगे।

एक्सपोबाजार अपने नीदरलैंड कार्यालय के माध्यम से यूके में 100 से अधिक बुटीक स्टोर्स को पहले से सेवा प्रदान कर रहा है, जिससे लगभग 30,000 पाउंड की मासिक बिक्री हो रही है। सीईटीए के लागू होने के साथ, यह लगभग 1,00,000 पाउंड प्रति माह तक बढ़ने की उम्मीद है, साथ ही भारत में विनिर्माण आधार के विस्तार में भी योगदान देगा।”

श्री सागर मेहता, उपाध्यक्ष, ईपीसीएच ने कहा, “सीईटीए के अंतर्गत शुल्क बाधाओं को हटाने से हस्तशिल्प निर्यातकों को तत्काल वाणिज्यिक लाभ प्राप्त होंगे। इससे भारतीय उत्पाद अधिक मूल्य-प्रतिस्पर्धी बनेंगे, ऑर्डर रूपांतरण में सुधार होगा और यूके के खरीदार भारत से सोर्सिंग बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित होंगे। ईपीसीएच यूके में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों, खरीदार-विक्रेता बैठकों, थीमैटिक प्रमोशन और प्रत्यक्ष खरीदार संपर्क के माध्यम से केंद्रित बाजार संवर्धन गतिविधियां जारी रखेगा। परिषद निर्यातकों के साथ निकटता से कार्य करेगी ताकि वे सीईटीए का लाभ दीर्घकालिक व्यापार साझेदारियों और यूके के खुदरा एवं सोर्सिंग इकोसिस्टम में गहरी पैठ के लिए उठा सकें।”

रणनीतिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए, **श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच** ने कहा, “यूके हमेशा से भारतीय हस्तशिल्प के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार रहा है और आज से सीईटीए के लागू होने से इस क्षेत्र को निर्यात बढ़ाने और गहरे बाजार संबंध विकसित करने का मजबूत अवसर प्राप्त हुआ है। अब ईपीसीएच यूके बाजार के लिए लक्षित खरीदार संपर्क, उत्पाद-विशिष्ट प्रचार, प्रमुख व्यापार मेलों में भागीदारी और आयातकों, खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, डिजाइनरों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के साथ निकट संपर्क के माध्यम से अधिक केंद्रित रणनीति अपनाएगा।

श्री रावत ने आगे कहा, “परिषद निर्यातकों को यूके खरीदारों की आवश्यकताओं, उत्पाद पोजिशनिंग, अनुपालन अपेक्षाओं, पैकेजिंग मानकों, स्थिरता संबंधी प्राथमिकताओं, मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता और डिजिटल व्यापार अवसरों को समझने में सहयोग करेगी। ईपीसीएच सदस्य निर्यातकों को आधुनिक यूके घरों और लाइफस्टाइल के अनुरूप बाजार-विशिष्ट कलेक्शन विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा, साथ ही भारतीय हस्तशिल्प को हस्तनिर्मित, सतत, डिजाइन-समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से गहरे जुड़े उत्पादों के रूप में बढ़ावा देगा। यह रणनीतिक दृष्टिकोण सीईटीए के लाभों को निर्यातकों के लिए दीर्घकालिक व्यावसायिक अवसरों और कारीगरों तथा शिल्प क्लस्टरों के लिए निरंतर आजीविका समर्थन में बदलने में मदद करेगा।”

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न शिल्प क्लस्टरों में घरेलू लाइफस्टाइल, फर्नीचर तथा फैशन ज्वेलरी एवं एक्सेसरीज उत्पादों के उत्पादन में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड छवि बनाने के लिए एक नोडल संस्था है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने बताया कि वर्ष 2025-26 के दौरान कुल हस्तशिल्प निर्यात 33,168 करोड़ रुपये यानी 3,754 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा और वर्ष 2025-26 के दौरान यूके को हस्तशिल्प निर्यात रु. 2,355.65 करोड़ (267 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच

+91-9810423612



EPCH
हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Export Promotion Council for Handicrafts

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
**EXPORT PROMOTION
COUNCIL FOR HANDICRAFTS**

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com | www.epch.in

CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

A New Zero-Duty Gateway Opens for Indian Handicrafts as India-UK CETA Enters into Force Today

Landmark agreement to boost Indian handmade, sustainable and design-led products in the UK market

New Delhi, 15th July 2026: The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) welcomed the entry into force of the India-United Kingdom Comprehensive Economic and Trade Agreement (CETA), calling it a landmark development that will open a new chapter for Indian handicrafts in one of the world's most mature and high-value consumer markets. The agreement provides zero-duty access on nearly 99% of India's exports to the United Kingdom, covering almost the entire trade value. For Indian handicrafts, this is expected to create a major competitive advantage by removing tariff barriers and improving access to UK buyers, importers, retailers, wholesalers, designers and e-commerce platforms.

Speaking on this historic moment, **Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH**, said, "The entry into force of the India-UK CETA today is a transformative milestone for India's handicrafts sector. The agreement gives Indian handicraft exporters zero-duty access to a high-value and quality-conscious market, enabling them to compete more effectively with other supplier countries. This will strengthen India's presence in the UK market across home, lifestyle, fashion accessories, furnishing, furniture and other craft-based product categories."

Dr. Khanna further said, "Today marks a historic milestone in India-UK trade relations. The implementation of the India-UK CETA opens new opportunities for India's handicrafts sector by improving market access and competitiveness in the UK. The dispatch of the first consignments on the very first day of the Agreement reflects the preparedness and confidence of our exporters. These consignments include metal planters, wooden trays, wooden bowls, metal jugs, decorative wooden articles, and other home décor and lifestyle products. We are confident that this landmark Agreement will significantly boost handicrafts exports to the UK in the years ahead."

Speaking on the occasion, **Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH and Chairman, IEML**, said, "CETA is not only a trade agreement, but also a market access platform that can significantly strengthen the India-UK handicrafts trade corridor. With tariffs being removed and market access becoming more favourable, Indian exporters now have an opportunity to scale up their presence in the UK through a combination of design innovation, reliable supply chains, warehousing, fulfilment and digital commerce."

Referring to emerging market access & infrastructure upgrade for Indian handicrafts products in the UK, **Dr. Kumar** further added, "EPCH-ExpoBazaar has also launched its operations in the UK through a strategic collaboration with Vectra UK Limited. This expansion marks the UK its third overseas market after the United States and Europe. To support its UK operations, ExpoBazaar has established a fully operational third-party logistics warehouse in the country, enabling a Just-in-Time fulfilment model. This will allow

retailers and wholesalers across the UK to access ready-to-ship Indian handicraft and lifestyle products with shorter delivery timelines, improved inventory planning and greater supply chain reliability.

Expo Bazaar has already been serving more than 100 boutique stores across the UK through its Netherlands office, generating around £30,000 in monthly sales. With the CETA into force, this is expected to grow to around £100,000 per month while also contributing to the expansion of the manufacturing base in India.”

Shri Sagar Mehta, Vice Chairman, EPCH, said, “The removal of tariff barriers under CETA will provide immediate commercial benefits to handicraft exporters. It will help Indian products become more price-competitive, improve order conversion and encourage UK buyers to expand sourcing from India. EPCH will continue to undertake focused market promotion activities in the UK through international trade fairs, buyer-seller meets, thematic promotions and direct buyer outreach. The Council will work closely with exporters to help them leverage CETA for long-term business partnerships and deeper penetration into the UK retail and sourcing ecosystem.”

Highlighting the strategic approach, **Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH,** said, “The UK has always been a significant market for Indian handicrafts, and the implementation of CETA from today provides the sector with a strong opportunity to expand exports and build deeper market linkages. Now, EPCH will adopt a more focused strategy for the UK market through targeted buyer outreach, product-specific promotions, participation in key trade fairs and closer interaction with importers, retailers, wholesalers, designers and e-commerce platform.

Shri Rawat further added, “The Council will support exporters in understanding UK buyer requirements, product positioning, compliance expectations, packaging standards, sustainability preferences, price competitiveness and digital trade opportunities. EPCH will also encourage member exporters to develop market-specific collections suited to modern UK homes and lifestyles, while promoting Indian handicrafts as handmade, sustainable, design-rich and culturally rooted products. This strategic approach will help convert the benefits of CETA into long-term business opportunities for exporters and sustained livelihood support for artisans and craft clusters.”

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal institute for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of craftspersons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture and fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The overall Handicrafts exports during the year 2025-26 was Rs. 33,168 Crores (US \$ 3,754 Million) and the Handicrafts exports to UK during the year 2025-26 was Rs. 2,355.65 Crores (US\$ 267 million) informed by Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH.

For more information please contact:

Mr. Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH
+91-9810423612

Encl: Hindi, English version with Photos



Photo 1: The movement of first consignment on the very first day of India UK CETA Flag-off ceremony conducted in Jaipur at ICD Kanakpura in presence of Shri Shankra Raman, Asst Commissioner Customs, Shri Ram Prakash, DGFT FTDO, Shri Girish Agarwal, Regional Convenor & Member CoA-EPCH, Shri Ram Kumar, Terminal Manager Concor, Officials from EPCH and GJEPC and Exporters from Handicrafts and Pharma Sector were present.